चुनाव चिन्ह मामले में चलेगा मानहानि प्रकरण

हाईकोर्ट ने एक निर्णय में फैसला लिया जिससे दिनेश दीक्षित को झटका लगा

जबलपुर, 10 मार्च. मप्र हाईकोर्ट के जस्टिस हिमांशु जोशी की एकलपीठ ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश में साफ किया कि अधीनस्थ अदालत द्वारा लिए गए संज्ञान में हस्तक्षेप का कोई कारण नहीं बनता। इसी के साथ नगरपालिका परिषद शहडोल के चुनाव के दौरान साइकिल चुनाव चिन्ह आक्षेप मामले में मानहानि प्रकरण चलाए जाने पर मुहर लगा दी. इस आदेश से दिनेश दीक्षित को झटका लगा, जबकि राकेश सिंह बघेल को राहत मिली.

अधिवक्ता योगेश सिंह बघेल ने दलील दी कि नगर पालिका परिषद शहडोल के चुनाव में दिनेश दीक्षित व राकेश सिंह बघेल दोनों अध्यक्ष पद के उम्मीदवार थे, हालांकि दोनों चुनाव में पराजित हो गए। इसके बाद आवेदक ने पुलिस अधीक्षक शहडोल को लिखित शिकायत भेजते हुए प्रतिवादियों पर जाली दस्तावेजों के आधार पर साइकिल चुनाव चिन्ह प्राप्त करने और धोखाधड़ी करने के आरोप लगाए. साथ ही इस संबंध में निजी शिकायत भी दर्ज कराई गई, जिसे बाद में आवेदक द्वारा वापस ले लिया गया। इसके पश्चात प्रतिवादियों ने आरोप लगाया कि झूठे और मान हानिकारक आरोप लगाकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया गया, जिसके आधार पर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 500 अंतर्गत मानहानि प्रकरण में संज्ञान लिया। राकेश सिंह व अन्य प्रतिवादी राशिद खान के ओर से अधिवक्ता योगेश सिंह बघेल ने साफ किया कि चुनाव हारने के बाद दिनेश दीक्षित ने बिना किसी ठोस आधार के गंभीर आरोप लगाए और उन्हें समाचार पत्रों में प्रकाशित भी कराया, जिससे उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हुई.

साथ ही यह भी कहा गया कि नामांकन की जांच के समय कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी और बाद में की गई शिकायत को स्वयं आवेदक ने वापस ले लिया, जो आरोपों की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़ा करता है। अपने पक्ष में प्रतिवादियों ने हाईकोर्ट मध्य प्रदेश जबलपुर के निर्णय शिवराज सिंह बनाम विवेक कृष्ण तनखा का हवाला दिया। वहीं दिनेश दीक्षित की ओर से यह तर्क दिया गया कि शिकायत सार्वजनिक हित और चुनाव से जुड़े मुद्दे पर सद्भावना में की गई थी और यह भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के अपवादों के अंतर्गत आती है.

> इसके समर्थन में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय किशोर बालकृषानंद पर भरोसा किया गया। आदेश के पैरा-नो में न्यायालय ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि आवेदक दिनेश दीक्षित द्वारा पहले राकेश सिंह व अन्य के विरुद्ध एक निजी शिकायत सीजेएम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की गई थी। बाद में उक्त शिकायत को स्वयं दिनेश दीक्षित ने यह कहते हुए वापस ले लिया कि वे अधिवक्ताओं के बीच अनावश्यक विवाद और कानूनी बिरादरी में मतभेद उत्पन्न होने से बचना चाहते हैं। न्यायालय ने यह भी कहा कि यदि आवेदक उचित समझें तो विधि के अनुसार, निर्धारित सीमा-अवधि और अन्य कानूनी शर्तों के अधीन रहते हुए उस शिकायत के संबंध में उपलब्ध वैधानिक उपाय अपनाने के लिए स्वतंत्र हैं.

मोबाइल पर आई एक फाइल और बैंक खाते से साफ हो गए 1 लाख रुपए

इंदौर. आधुनिक दौर में मोबाइल पर आने वाली अनजान फाइलें कितनी खतरनाक हो सकती हैं, इसका ताजा उदाहरण देपालपुर क्षेत्र में देखने को मिला है. यहाँ एक अज्ञात जालसाज ने फरियादी के मोबाइल पर एपीके फाइल की लिंक भेजकर उनके बैंक खाते में सेंध लगा दी और पलक झपकते ही एक लाख रुपए पार कर दिए. देपालपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस के मुताबिक, ठगी की यह वारदात चिमनखेड़ी निवासी सचिन पिता गजानंद सेठ के साथ 17 फरवरी की शाम को हुई. सचिन ने अपनी शिकायत में बताया कि शाम करीब 6:35 बजे उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से एक लिंक और एपीके फाइल आई थी. जैसे ही उन्होंने उत्सुकतावश उस फाइल को डाउनलोड कर ओपन किया, उनके बैंक खाते से एक लाख रुपए किसी अन्य खाते में ट्रांसफर होने का मैसेज आ गया. अचानक हुई इस बड़ी कटौती से पीड़ित दंग रह गया और तुरंत पुलिस की शरण ली.

उज्जैन बनेगा सिटी ऑफ ब्रिजेस

- 3.536 किमी लंबा चार लेन का फ्लाईओवर ब्रिज बनाया जाएगा

उज्जैन, 10 मार्च. सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए उज्जैन शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए बड़े स्तर पर इंफ्रास्ट्रख विकास की तैयारी शुरू हो गई है.

इसी कड़ी में मध्यप्रदेश शासन के ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम के तहत शहर में एक महत्वपूर्ण एलिवेटेड फ्लाईओवर परियोजना के लिए टेंडर जारी किया गया है. करीब 3.536 किलोमीटर लंबा चार लेन का एलिवेटेड फ्लाईओवर ब्रिज बनाया जाएगा.

जिसका टेंडर जारी हो गया. टेंडर दस्तावेज के अनुसार इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 416 करोड़ 37 लाख रुपये रखी गई है. इस एलिवेटेड कॉरिडोर के साथ-साथ नीचे सर्विस रोड का भी निर्माण किया जाएगा जिससे स्थानीय यातायात और बाजार क्षेत्र की आवाजाही प्रभावित न हो और लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके.

कहां से कहां तक बनेगा फ्लाईओवर

प्रस्तावित एलिवेटेड ब्रिज चिमनगंज मंडी स्थित इंदिरा नगर चौराहा से शुरू होकर इंदौर गेट मार्ग से गुजरते हुए हरिफाटक फ्लाईओवर तक बनाया जाएगा. शहर का यह हिस्सा व्यापारिक और धार्मिक गतिविधियों के कारण बेहद व्यस्त रहता है. रोजाना यहां भारी वाहनों, स्थानीय यातायात और श्रद्धालुओं की आवाजाही के कारण जाम की स्थिति बनती है.

दूसरा एलिवेटेड कॉरिडोर भी प्रस्तावित

शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए निकास चौराहा से दौलतगंज होते हुए इंदौर गेट तक एक और एलिवेटेड कॉरिडोर बनाने की भी योजना है. इन दोनों परियोजनाओं को मिलाकर उज्जैन को आधुनिक यातायात सुविधा देने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है. यह परियोजनाएं मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाली योजनाओं में शामिल बताई जा रही हैं.

1 करोड़ की चोरी बन गई पुलिस के लिए चुनौती

100 से अधिक सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज खंगाले, नहीं लगा सुराग

जबलपुर, 10 मार्च. ग्वारीघाट थाना अंतर्गत सुखसागर वैली पोलीपाथर में 23 जनवरी हुई एक करोड़ से अधिक की चोरी सुलझाना अब पुलिस के लिए चुनौती बन चुका है. महीनों बाद भी पुलिस के हाथ खाली है. सीसीटीव्ही कैमरों से सुराग नहीं लगा है जबकि 100 से अधिक सीसीटीव्ही कैमरों के फुटेज खंगाले जा चुके है.

मुखबिर तंत्र पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है. जबकि क्राइम ब्रांच से लेकर थाना, सायबर पुलिस लगी हुई लेकिन अब तक ऐसा कोई सुराग हाथ नहीं लगा है जिसके सहारे आरोपियों तक पहुंचा जा सके. विदित हो सागर वर्मा 38 वर्ष निवासी सुखसागर वैली पोलीपाथर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि थी वे ट्रांसपोर्ट का कार्य करता है उसकी माता का स्वास्थ्य खराब होने से जबलपुर हास्पिटल में भर्ती है 23 जनवरी को वह एवं उसकी पत्नी हास्पिटल के लिये गये थे घर के मेन दरवाजा में ताला लगा दिया था.

> जब वापिस लौटा तो दरवाजा का ताला टूटा पड़ा था अंदर जाकर देखा दोनों बेडरूम के आलमारी का ताला टूटा था पूरा सामान बिखरा हुआ था. आलमारी में रखा लगभग 70 तोला सोना एवं 1 किलो चांदी, नगदी 6 लाख रूपये गायब थे. सागर वर्मा के पडोसी के घर में लगे सीसीटीव्ही कैमरे में चार नकाबपोश कैद हुए थे. जिसके आधार पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरे चैक लिए. इसके बाद उन्हें ट्रेस किया लेकिन पुलिस के हाथ खाली है. यहां तक की फिंगर प्रिंट से भी कोई क्लू नहीं मिला अब पुलिस सिर्फ हवा में लट्ठ घुमा रही है .

कूलर में करंट उतरने से 5वीं की छात्रा की मौत

खंडवा. जिले के पुनासा क्षेत्र के ग्राम पिपलानी में सोमवार को एक दर्दनाक हादसे में कूलर में उतरे करंट की चपेट में आने से 12 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब घर में केवल उसका तीन साल का छोटा भाई मौजूद था, जबकि माता-पिता खेत में गेहूं की कटाई के लिए गए हुए थे। जानकारी के अनुसार गायत्री (12) पिता प्रकाश भीलाला गांव के शासकीय स्कूल में कक्षा पांचवीं की छात्रा थी। सोमवार सुबह माता-पिता मजदूरी के लिए खेत पर चले गए थे। दोपहर करीब साढ़े 11 बजे जब पिता घर लौटे तो छोटे बेटे जिगर ने इशारे से बताया कि दीदी टीवी के पास गिर गई है और कुछ बोल नहीं रही। पिता ने जाकर देखा तो गायत्री बेसुध पड़ी थी.

खूनी रंजिश का अंत : दोस्त ही निकला हत्यारा

- सिर कुचलकर उतारा मौत के घाट

शिवपुरी . जिले के पिछोर थाना क्षेत्र में इंसानियत को शर्मसार करने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है जहाँ एक दोस्त ने ही अपने साथी के विश्वास का कत्ल कर दिया.

पुलिस ने अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाते हुए आरोपी अतर सिंह आदिवासी को सलाखों के पीछे पहुँचा दिया है. जिस दोस्त के साथ बैठकर मृतक ने जाम छलकाए थे उसी ने पत्थर से सिर कुचलकर उसकी जीवन लीला समाप्त कर दी. पुलिस ने हत्यारे को न्यायालय में पेश कर उसे उसके किए की सजा दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.

> पिछोर थाना प्रभारी नीतू सिंह अहिरवार के नेतृत्व में पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा किया है. कटाई वाला नाला चाली की डांग मौजा कछीआ के बीहड़ जंगल में एक जामुन के पेड़ के नीचे युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई थी. कातिल ने इतनी बेरहमी दिखाई थी कि मृतक का चेहरा पत्थर से कुचलकर पहचान मिटाने की कोशिश की गई थी. बाद में रूपनवारा निवासी बाबूलाल आदिवासी ने शिनाख्त की कि मृतक उसका बेटा सोनू आदिवासी है. पुलिस ने अज्ञात हमलावर के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया. पुलिस की पैनी नजरों ने शक के घेरे में आए काछीपुरा नांद निवासी 32 वर्षीय अतर सिंह आदिवासी को दबोचा.

आपस में भिड़े मुस्लिम पक्ष, दोनों ओर से आधा दर्जन घायल

परासिया. नगर की शांत फिजा उस समय भंग हो गई जब मुस्लिम समुदाय के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। शाम की नमाज के बाद मस्जिद में हुआ विवाद देखते ही देखते लाठी-डंडों और तलवारों की झड़प में बदल गया। घटना में दोनों पक्षों से लगभग आधा दर्जन युवक घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार दोपहर की नमाज के दौरान किसी बात को लेकर युवकों के बीच विवाद हो गया था, जो शाम तक बढ़कर गंभीर झगड़े का रूप ले बैठा। रोजा इफ्तार के बाद बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए और देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे और तलवारें चलने लगीं.

एक नजर में

दो इंडिगो फ्लाइट भोपाल डाइवर्ट

इंदौर. एयरपोर्ट पर सोमवार को रनवे के एक हिस्से पर ढीला बिटुमिन मिलने से कुछ समय के लिए उड़ान संचालन प्रभावित हुआ. जानकारी के अनुसार उस समय रनवे पर रिकार्पेटिंग का काम चल रहा था. नियमित निरीक्षण के दौरान रनवे की सतह के एक हिस्से पर कुछ स्थानों पर ढीला बिटुमिन पाया गया. सूचना मिलते ही सिविल इंजीनियरिंग टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आवश्यक मरम्मत व सफाई कार्य शुरू किया. टीम ने करीब 20 मिनट के भीतर पूरा कार्य पूरा कर लिया. इसके बाद रनवे की दोबारा जांच की गई और उसे सुरक्षित पाते हुए उड़ान संचालन शुरू करने के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को हैंडओवर कर दिया गया .अस्थायी व्यवधान के कारण इंडिगो की दो उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा. इनमें 6ई6605 (दिल्ली-इंदौर) और 6ई6219 (रायपुर-इंदौर) शामिल हैं.

गुना में एलपीजी से भरे टैंकर से टकराया ट्रक

गुना. गादेर पुलिस चौकी के सामने मंगलवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया. एक भारी वाहन ने एलपीजी से भरे टैंकर को ओवरटेक करने का प्रयास में टैंकर से टकरा गया, जिसके एलपीजी गैस लीकेज होने लगी और हड़कंप मच गया. टैंकर विजयपुर से बनारस की ओर जा रहा था, तभी गादेर चौकी के समीप यह दुर्घटना घटित हुई है. जानकारी के मुताबिक करीब 20 टन एलपीजी गैस लेकर जा रहे इस टैंकर को एक अन्य ट्रक ने ओवरटेक करने की कोशिश की. इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से टैंकर सड़क किनारे पलट गया और क्षतिग्रस्त हो गया. टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर का रूटर गेट टूट गया, जिससे मौके पर ही गैस का रिसाव शुरू हो गया. खतरे को देखते हुए टैंकर चालक ने सूझबूझ दिखाई और तत्काल 112 नंबर पर सूचना दी. सूचना मिलते ही गादेर चौकी पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई. एहतियात के तौर पर हाईवे के ट्रैफिक को काफी देर तक वन-वे कर दिया गया ताकि किसी भी तरह की अनहोनी या आगजनी की घटना को टाला जा सके. बाद में गैस प्लांट से पहुंचे तकनीकी अधिकारियों और विशेषज्ञों की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद लीकेज को ठीक किया, तब जाकर प्रशासन और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली.

रेजिडेंट डॉक्टरों की बाइक रैली, हड़ताल को विराम

- अपनी मांगों को शांतिपूर्ण तरीके से रखने के लिए बाइक रैली का आयोजन

इन्दौर, 10 मार्च. इंदौर में जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन के रेजिडेंट डॉक्टरों ने अपनी मांगों को लेकर सोमवार को बाइक रैली निकाली. यह रैली एमवाय हॉस्पिटल गेट से शुरू होकर एमजीएम मेडिकल कॉलेज तक निकाली गई. रैली ओपीडी समय समाप्त होने के बाद दोपहर 2 बजे आयोजित की गई.

जेडीए इंदौर के अध्यक्ष डॉ. अंशुल शर्मा ने बताया कि रेजिडेंट डॉक्टर मरीजों के हितों को ध्यान में रखते हुए फिलहाल पूर्ण हड़ताल से बचने का प्रयास कर रहे थे. अपनी मांगों और अधिकारों को शांतिपूर्ण तरीके से रखने के लिए ही बाइक रैली का आयोजन किया गया. उन्होंने बताया कि दूसरे राज्यों की तुलना में यहां रेजिडेंट डॉक्टरों को अधिक स्टाइपेंड नहीं मिल रहा है.

> हर साल 3 से 4 प्रतिशत वृद्धि की बात कही गई थी, लेकिन 2025 से लेकर अप्रैल 2026 तक न तो एरियर दिया गया और न ही स्टाइपेंड में बढ़ोतरी की गई. रेजिडेंट डॉक्टरों ने बताया कि वे शनिवार से काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन शासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने के कारण उन्हें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा. हालांकि शाम तक स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल की अपील पर डॉक्टरों ने हड़ताल को आंशिक विराम देने का निर्णय लिया है. विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा.

स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान, 103 यात्री पकड़े

ग्वालियर. उत्तर मध्य रेलवे द्वारा मंडल में टिकट जांच अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के नेतृत्व में ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर सघन फोर्ट्रेस चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान टिकट जांच दल द्वारा कुल 103 यात्रियों को अनियमित यात्रा करते हुए पकड़ा गया। पकड़े गए यात्रियों से रेलवे नियमों के अनुसार कुल 44,880 रुपए का जुर्माना वसूला गया. केवल राजस्व में वृद्धि हुई बल्कि यात्रियों को वैध टिकट लेकर यात्रा करने के लिए भी जागरूक किया गया.

5 करोड़ की रंगदारी मामले में पुलिस को अहम सुराग मिला

- इंदौर पुलिस की टीम पूछताछ के लिए अशोकनगर पहुंची
- पकड़े गए एक संदिग्ध आरोपी से जुड़ती नजर आ रही हैं

महू, 10 मार्च. नगर के एक निजी अस्पताल संचालक के बेटे से गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर 5 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस को अहम सुराग मिला है. मामले की कड़ियां अशोकनगर में पकड़े गए एक संदिग्ध आरोपी से जुड़ती नजर आ रही हैं. इसी आधार पर इंदौर ग्रामीण पुलिस की टीम पूछताछ के लिए अशोकनगर पहुंची है.

जानकारी के अनुसार, 12 फरवरी को महू के किशनगंज थाना क्षेत्र में एक निजी अस्पताल संचालक के बेटे को व्हाट्सएप कॉल के जरिए धमकी दी गई थी. कॉल करने वाले ने खुद को हैरी बॉक्सर बताते हुए 5 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी और कहा कि वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है. रकम नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गई थी. शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी थी.

> **ऐसा ही मामला**
>
> उसी दिन अशोकनगर में भी एक व्यापारी को इसी तरह का धमकी भरा कॉल आया था. कॉलर ने खुद को हैरी बॉक्सर बताते हुए 10 लाख रुपए की मांग की थी. घटना के बाद पुलिस ने व्यापारी के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी थी. इधर, मामले में दो दिन पहले अशोकनगर पुलिस ने व्यापारी के घर के पास से राजस्थान निवासी मनीष जांगिड़ को संदिग्ध हालत में घूमते हुए पकड़ा. तलाशी के दौरान उसके पास से पेट्रोल बम, फर्जी आधार कार्ड और अन्य संदिग्ध सामान बरामद हुआ. पूछताछ में सामने आया कि वह किसी वारदात की योजना बना रहा था.

> **इंदौर आने वाला था आरोपी**
>
> प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि अशोकनगर में वारदात को अंजाम देने के बाद वह इंदौर आने वाला था, जहां उसे अगले टारगेट के बारे में जानकारी दी जानी थी. हालांकि, इंदौर में उसका निशाना कौन था, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है. दोनों घटनाओं का तरीका एक जैसा होने और आरोपी के संपर्कों को देखते हुए इंदौर ग्रामीण पुलिस की टीम अशोकनगर पहुंचकर पूछताछ कर रही है.

13 लाख के गुम मोबाईल फोन लौटाई आवेदकों को

बुरहानपुर. पुलिस अधीक्षक ने की आमजन को सलाह. मोबाईल गुम होने पर तत्काल संचार साथी एप्पलिकेशन पर शिकायत दर्ज करें जिससे आपके मोबाईल फोन के अनाधिकृत उपयोग को रोका जा सकें। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार पाटीदार के नेतृत्व में जिला सायबर सेल अपराधियों तक पहुंचने में तकनीकी सहायता देने के साथ.साथ गुम मोबाइलों को ट्रेस करने का कार्य भी कर रही है। सायबर सेल ने पिछले 03 माह की अवधि के दौरान गुम हुए 70 मोबाइलों को ट्रेस किया है.

न्यायाधीश समेत सात पदों के सृजन की मिली मंजूरी

- डॉ. मोहन सरकार के कैबिनेट बैठक में लगी मोहर

सिंगरौली 10 मार्च. प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अध्यक्षता में आज दिन मंगलवार को भोपाल में कैबिनेट की बैठक आयोजित हुई, जहां चितरंगी में मंजूर व्यवहार न्यायालय के पदों को स्वीकृति कर मोहर लगाई गई है.

यहां बताते चले कि चितरंगी के अधिवक्ता संघ ने पिछले वर्ष दिसम्बर महीने में तहसील के सामने बेमियादी धरना दिया था। जहां

पंचायत मंत्री राधा सिंह ने अधिवक्ताओं के बीच पहुंच आश्वस्त किया था कि उक्त मार्गो पर विचार किया जाएगा। सिविल न्यायालय मंजूर है और पदों की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री के यहां बात पहुंचाई जाएगी। आज मोहन सरकार की कैबिनेट बैठक में चितरंगी में पूर्व से मंजूर सिविल न्यायालय के लिए व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड के 1 और अन्य 6 नवीन पदों के सृजन की मंजूरी दी गई है.

बैठक | उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की समीक्षा

चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया को बनाएगें सरल : शुक्ल

भोपाल, 10 मार्च. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की.

बैठक में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने, चिकित्सा शिक्षा के विस्तार तथा आवश्यक मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई.

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेजों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं के उन्नयन से संबंधित प्रस्तावों को सभी आवश्यक औपचारिकताओं की पूर्ति करते हुए शीघ्र तैयार कर पीएससी की स्वीकृति के लिए अग्रेषित किया जाए। बैठक में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने बुधनी, छतरपुर और दमोह में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए.

> इन संस्थानों में शैक्षणिक स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया भी शीघ्र पूरी की जाए, जिससे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त कर आगामी शैक्षणिक सत्र से इन मेडिकल कॉलेजों का संचालन प्रारंभ किया जा सके। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष बल देते हुए संबंधित प्रक्रियात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया और प्रावधानों को अधिक आकर्षक बनाया जाए.

पांगरी बांध प्रभावित किसानों को चार गुना मुआवजा दिया जाएगा

बुरहानपुर. आज दिनांक 10 मार्च 2026 को निर्माणाधीन पांगरी बांध के समीप शिव मंदिर में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नेपानगर तथा कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग बुरहानपुर एवं अन्य आला अधिकारियों के साथ में किसानों कि महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई ए जिसमें श्री भागीरथ वाखला एसडीएम ने किसानों को जिला अधिकारी श्री संजय सिंह के साथ किसानों की 20 फरवरी को जो बैठक हुई थी उसके पुनरावृत्ति की उन्होंने किसानों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार ने 4 गुना मुआवजा हेतु एक समिति का गठन किया है.

लोक कलाओं से बढ़ाता है आपसी सद्भाव : कमलेश्वर

- दो दिवसीय लोक महोत्सव व कवि सम्मेलन आयोजित

सीधी 10 मार्च. पूर्व मंत्री एवं जनसेवक स्वर्गीय इंद्रजीत कुमार की पावन स्मृति और उनकी जन्म जयंती के अवसर पर ग्राम चितवरिया में दो दिवसीय कनपुरा लोक महोत्सव एवं विशाल कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया.

कनपुरा लोक संस्कृति को समर्पित इस उत्सव में पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व विधायक विद्यावती पटेल, सरस्वती सिंह, पूर्व अध्यक्ष रामअशोक शर्मा, ज्ञानेन्द्र द्विवेदी, अरविंद सिंह चंदेल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने

शिरकत की। मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा पिताजी स्व.इंद्रजीत कुमार का मानना था कि लोकगीत नाट्य, संगीत और कला के संरक्षण से ही समाज में आपसी भाईचारा और सद्भाव बढ़ता है। यह आयोजन विलुप्त होती बघेली पहचान को बचाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने आगे भावुक होते हुए कहा स्वर्गीय कुमार साहब अक्सर कहते थे कि मुझे याद मत रखो, मेरी सेवा को याद रखोगे तो सेवक अपने आप याद रहेगा। आज की चुनौतियों के बीच हमें अपनी जमीन और अपनी जड़ों को नहीं भूलना चाहिए.